अखिल भारतीय श्री जैन रत्न आध्यात्मिक शिक्षण बोर्ड, जोधपुर

कक्षा : सातवीं – जैन धर्म कोविद (परीक्षा 16 जुलाई, 2017)

समय : 3 घण्टे अंक : 100

रोल नं.: (अंकों में) .....

(शब्दों में) .....

परीक्षा केन्द्र की कोड संख्या :

केन्द्राधीक्षक/निरीक्षक के हस्ताक्षर

परीक्षार्थियों के लिए आवश्यक निर्देश–

सावधान

1. परीक्षा में नकल नहीं करें। 2. प्रामाणिकता से परीक्षा देकर ईमानदारी का परिचय दे।
3. मायावी नहीं मेधावी बनें। 4. नकल से नहीं अकल से कम लें।

1. सभी प्रश्नों के उत्तर इसी पत्रक में प्रश्न के नीचे/सामने छोड़े गये रिक्त स्थान में ही लिखें।
2. काली अथवा नीली स्याही का प्रयोग करें, लाल स्याही का नहीं।
3. उत्तीर्ण होने के लिए कम से कम 50 प्रतिशत अंक पाना अनिवार्य है अन्यथा अनुत्तीर्ण माना जाएगा।
4. अधीक्षक, पर्यवेक्षक एवं वीक्षक के निर्देशों का पालन करें।
5. कहीं पर भी अपना नाम अथवा केन्द्र का नाम नहीं लिखें।

जाँचकर्त्ता के प्रयोग हेतु–

प्रश्न क्र.	1	2	3	4	5	कुल योग
प्राप्तांक						
पूर्णांक	10	10	10	28	42	100
पुनः जाँच						

जाँचकर्त्ता के हस्ताक्षर

प्र.1 निम्नलिखित प्रश्नों में से सही उत्तर का क्रमाक्षर कोष्ठक में लिखिए :- **10x1 = (10)**

(a) संजया का अर्थ है-

(क) इन्द्रियों को वश में करना (ख) दया पालन करने वाले संयमी

(ग) सूर्य की आतापना लेना (घ) संयम का पालन करने वाले ( )

(b) दसवाँ अनाचीर्ण है -

(क) वीअणे (ख) गिहिमत्ते

(ग) किमिच्छए (घ) सन्निही ( )

(c) निर्ग्रन्थ महर्षियों के लिए कितने अनाचीर्ण कहे गये हैं -

(क) 42 (ख) 47

(ग) 52 (घ) 48 ( )

(d) बिना कारण तैलादि की मालिश करना कहलाता है -

(क) गायब्भंग (ख) धूवणे

(ग) विरेयणे (घ) विभूसणे ( )

(e) संवाहणा का अर्थ है -

(क) दाँतों को धोना (ख) मर्दन करना

(ग) दर्पण में मुँह देखना (घ) अग्नि का आरम्भ करना ( )

(f) जीव रूपी तालाब में कर्मरूपी पानी ..... रूपी नालों द्वारा आता है-

(क) पाप (ख) संवर

(ग) आश्रव (घ) पुण्य ( )

(g) कसारी किसका भेद है -

(क) चौरेन्द्रिय (ख) तेइन्द्रिय

(ग) ऐकेन्द्रिय (घ) बेइन्द्रिय ( )

(h) निम्न में तेइन्द्रिय का भेद है -

(क) पतंगिया (ख) अलसिया

(ग) धनेरिया (घ) भंवरा ( )

(i) ''वरूण'' कौन सा देव है -

(क) ज्योतिष (ख) किल्विषी

(ग) ग्रैवेयक (घ) लोकान्तिक ( )

(j) ''पुण्य तत्त्व'' कितने प्रकार से भोगा जाता है-

(क) 42 (ख)82

(ग) 18 (घ) 20 ( )

प्र.2 निम्न प्रश्नों के उत्तर 'हाँ' अथवा 'नहीं' में दीजिए :- **10x1 = (10)**

(a) विभूसा आदि से जीव हिंसा के साथ रागवृद्धि संभव नहीं है। ( )

(b) महर्षि दुःख-मुक्ति के लिए आत्म-साधना में अपनी शक्ति लगाते हैं। ( )

(c) नियागं का अर्थ है-सामने से लाकर दिया गया आहार। ( )

(d) सावद्य चिकित्सा करना तेगिच्छं अनाचीर्ण है। ( )

(e) अवशेष कर्मों को खपाने के लिए मनुष्य से देवलोक में जाते हैं। ( )

(f) प्रतिमाओं के पालन का वर्णन वृहतकल्प सूत्र में है। ( )

(g) खपरीया बेइन्द्रिय का भेद है। ( )

(h) सम्मूर्च्छिम मनुष्य संज्ञी एवं तीनों दृष्टि वाले होते हैं। ( )

(i) अजीव के जघन्य 14 भेद होते है। ( )

(j) अन्यत्व भावना नमिराज ऋषि ने भाई थीं। ( )

प्र.3 मुझे पहचानो :- **10x1 = (10)**

(a) मैं ग्रीष्मकाल में सूर्य की आतापना लेता हूँ। .....

(b) कई साधक मुझे सर्वथा दूर कर सिद्ध हो जाते हैं। .....

© मेरे लिए सचित्त नमक अग्राह्य बताया गया है। .....

(d) मैं धैर्यवान एवं निस्पृह होता हूँ। .....

(e) निर्ग्रन्थ के लिए मुझे खेलना निषिद्ध है। .....

(f) मेरा निर्माण कुबेरदेव की बुद्धि से हुआ है। .....

(g) मेरे कारण बिना उपयोग से अज्ञानवश संयम में दोष लगता है। .....

(h) मैं छह काय के जीवों की विराधना से लगने वाली क्रिया हूँ। .....

(i) मेरा बंध किसी पर झूठा दोष लगाने से होता है। .....

(j) मेरे कुल 46 भेद हैं। .....

प्र.4 निम्न प्रश्नों के उत्तर एक-दो पंक्तियों में दीजिए। **14x2 = (28)**

(a) **पहले, पन्द्रहवें, बीसवें एवं पच्चीसवें अनाचीर्ण का नाम लिखिए।**

.....

.....

(b) **गाथा को पूर्ण कीजिए।**

परीसह .....

.....**महेसिणो।।**

(c) **शुद्ध श्रमणाचार-पालन का क्या फल है ?**

.....

.....

(d) **निदान किसे कहते हैं ?**

.....

.....

(e) **प्रतिमाधारी साधु कौन-कौन से स्थानों पर निवास करते हैं ?**

.....

.....

(f) **पाँच अनुत्तर विमान के नाम लिखिए।**

.....

.....

(g) **पाडुच्चिया का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(h) **प्रतिसंलीनता का अर्थ लिखिए। इसके कुल कितने भेद हैं ?**

.....

.....

(i) **धर्मध्यान की प्रथम अनुप्रेक्षा अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

(j) **शुक्ल ध्यान का अंतिम लक्षण अर्थ सहित लिखिए।**

.....

.....

(k) **बंध के कितने भेद हैं ? प्रथम भेद का अर्थ लिखिए।**

.....

.....

(l) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

इत्थं .....।

.....परस्य।।

(m) **रिक्त स्थान की पूर्ति कीजिए-**

युद्धे .....।

.....लभन्ते।।

(n) **भक्तामर स्त्रोत्र की 33वीं गाथा मन्दार-सुन्दर.....वचसां ततिर्वा।। का भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

प्र.5 निम्न प्रश्नों के उत्तर दो-तीन वाक्यों में लिखिए : - **14x3=(42)**

(a) **गिहिणो .....आउरस्सरणाणि य। गाथा का भावार्थ लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(b) **निम्नांकित गाथा को पूर्ण कर शब्दों के अर्थ लिखिए।**

सव्वमेयमणाइण्णं.....

.....**लहुभूय विहारिणं।।**

शब्दार्थ.....

.....

(c) **अनाचीर्णों का वर्णन किस सूत्र के कौन से अध्ययन में किया गया है ? उस अध्ययन की प्रथम गाथा भी लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(d) **यदि सोमिल गजसुकुमाल की प्रतिहिंसा नहीं करता तो गजसुकुमाल मोक्ष कैसे जाते ?**

.....

.....

.....

.....

(e) **क्या छप्पन करोड़ यादव द्वारिका नगरी में ही रहते थे ? स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(f) **भिक्षु प्रतिमा पालन का विस्तृत वर्णन कौनसे आगम में है ? प्रतिमा आराधन का प्रथम नियम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(g) **प्रायश्चित्त किसे कहते हैं ? इसके कितने भेद हैं ? दस प्रकार के प्रायश्चित्त के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(h) **जीव के उत्कृष्ट भेदों की संख्या लिखते हुए स्थलचर के भेद समझाइए।**

.....

.....

.....

.....

(i) **संवर किसे कहते है ? इसके उत्कृष्ट भेद कितने हैं ? स्पष्ट कीजिए।**

.....

.....

.....

.....

(j) **पुण्य कितने प्रकार से बंधता है और कितने प्रकार से भोगा जाता है ? पुण्य भोगने की प्रथम छह प्रकृतियों के नाम लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

(k) **कायक्लेश क्या है ? इसके कितने भेद हैं ? इसका पाँचवाँ, नवाँ एवं ग्यारहवाँ भेद लिखिए।**

.....

.....

.....

.....

निम्न श्लोक को पूर्ण कर भावार्थ लिखिए।

(l) स्वर्गापवर्ग .....

.....

.....

.....प्रयोज्य।।

भावार्थ.....

.....

.....

(m) वल्गत्तुरंग .....

.....

.....

.....भिदामुपैति।।

भावार्थ.....

.....

.....

(n) आपाद.....

.....

.....

.....भवन्ति।

भावार्थ.....

.....

.....